Total No. of printed pages = 4

4 (Sem-3) FHIN-II

2019

HINDI

(Functional MIL-II)

Paper : 3.2

Full Marks – 80

Pass Marks – 24

Time – Three hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions.

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो : 1×10=10

(क) जीवनयात्रा का आध्यात्मिक नियम क्या है ?

(ख) किसके साथ अन्याय हुआ ?

(ग) पुर्तगाली क्यों आये थे ?

(घ) लक्ष्मण ने भाई का साथ क्यों दिया ?

(ङ) क्या खाना अधर्म है ?

(च) कछुआ धरम निबन्ध के निबन्धकार का नाम लिखो।

[Turn over

(छ) कवि स्वभाव से कैसे होते है ?

(ज) महावीर प्रसाद द्विवेदी को किस बात का दुःख था?

(झ) गुरु की निन्दा होने पर क्या करना चाहिए ?

(ञ) कौन निरोगता की पवित्र मदिरा में मस्त हो रहा है?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दो : $2\times5=10$

(क) मनुष्य की चिन्तन शक्ति में क्यों थकावट आ गयी है?

(ख) सच्चा आनन्द कैसे मिल सकता है ?

(ग) हल चलाने वाले के जीवन के बारे में लिखो।

(घ) आनुजाविक उपाय से क्या तात्पर्य है?

(ङ) कछुआ धरम का परम आदर्श क्या है ?

(च) उर्मिला को किस बात का संकोच था?

3. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दो : $3\times5=15$

(क) पश्चिमी सभ्यता का आदर्श

(ख) देवों की तंगी का कारण

(ग) लक्ष्मण का चरित्र

(घ) कछुआ धरम का आदर्श

4. किन्हीं दी प्रश्नों के उत्तर दो : 2×5=10

(क) प्रेम मजदूरी से क्या तात्पर्य है ?

(ख) आदि कवि की उर्मिला के विषय में क्या सोच थी?

(ग) सभी देशो के इतिहासने क्या सिद्ध किया है?

(घ) कछुआ धरम के माध्यम से निबन्धकार क्या कहना चाहते है?

5. पारिभाषिक शब्दावली का हिन्दी अनुवाद लिखो : 1×15=15

Finance, Management, Circular, Tender, Memorandum, Balance Sheet, Accountant, Secretary, Audit, Rate, Business, Example, Saving Account, Deficit, Purchase.

6. शिक्षक पद की नियुक्ति हेतु आवेदन पत्र असम सरकार के पास लिखो। 10

7. सारांश : 10

मनुष्य के उन व्यवहारों को चरित्रों में गिना जाता है। जिन्हें वह अपने व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में व्यवहार में लाता है। इस प्रकार हर व्यक्ति के चरित्र के दो पक्ष होते है— व्यक्तिगत और सामाजिक। मनुष्य अपने व्यक्तिगत जीवन में स्वतन्त्र है किन्तु वह स्वतन्त्रता अबाध नहीं रह सकती, क्योंकि उसके आचरण का प्रभाव समाज पर पड़ता है अतः इसके व्यक्तिगत जीवनक्रम का भी सीमित और

संयमित होना आवश्यक है। आचरण की पवित्रता को सच्चरित्रता कहा जाता है। यहीं कारण है कि सभी देश और समाजों में मानव-जीवन को संयमित रखने के लिए शास्त्रों का निर्माण किया गया है। भारतीय शास्त्रों के अनुसार धैर्य, क्षमा, संयम-नियम, आस्तेय शौच (पवित्रता) और इन्द्रियनिग्रह संयम, बुद्धि, विद्या, सत्य, आक्रोश आदि को किस प्रकार वर्णित कर सकते है।

(क) अपठित का उपर्युक्त शीर्षक लिखो। 1

(ख) रेखांकित भाग की व्याख्या करो। 3

(ग) गद्यांश का सारांश अपने शब्दों में लिखो। 6